'एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क अलवर में विकसित किया जाएगा'

दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गिर के बब्बर शेर और सात अलग-अलग नस्लों के टाइगर अब अलवर में देखने को मिलेंगे : वन मंत्री संजय शर्मा

- अगले एक साल में शहर के नजदीक कटी घाटी क्षेत्र में एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया जाएगा : वन मंत्री
- 'केंद्र सरकार से मंजूरी मिली, अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा'
- ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के दो वर्ष पूरे होने पर कटी घाटी स्थित नगर वन पहुंचे वन मंत्री

अलवर, (निसं)। दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गिर के बब्बर शेर और सात अलग-अलग नस्लों के टाइगर अब अलवर में देखने को मिलेंगे। अगले एक साल में शहर के नजदीक कटी घाटी क्षेत्र में एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया जाएगा, जिसके लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को राज्य सरकार के वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने अरावली की पहाड़ियों पर कार्यकर्ताओं के बीच दी। वे ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के दो वर्ष पूरे होने पर कटी घाटी स्थित नगर वन पहुंचे थे।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने बताया कि प्रस्तावित बायोलॉजिकल पार्क में देश-विदेश के कई दुर्लभ वन्यजीवों को लाया जाएगा, जिससे अलवर पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान बनाएगा। वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि इस बायोलॉजिकल पार्क में दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गुजरात के गिर क्षेत्र के बब्बर शेर, विभिन्न नस्लों के टाइगर सहित कई अन्य वन्यजीव देखने को मिलेंगे। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता को भी मजबूती मिलेगी। इसी पहाड़ी पर कुछ दिन पहले कांग्रेस के नेता अरावली बचाने की मांग करते हुए चढ़े थे। उसके बाद अब वन मंत्री भी उसी पहाड़ी पर पहुंचे हैं। अरावली क्षेत्र को लेकर राजनीतिक बयानबाजी पर पलटवार करते हुए वन मंत्री ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये नेता अरावली बचाने की बात तो करते हैं, लेकिन खुद एक भी पौधा नहीं लगाते। हाल ही में कार्यकर्ताओं के साथ पहाड़ी पर चढ़कर सैकड़ों पौधे तोड़ने का आरोप भी लगाया।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्हें पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। पहले वर्ष में 7 करोड़ और दूसरे वर्ष में 11 करोड़ से अधिक पौधे जनसहयोग से लगाए जा चुके हैं, साथ ही उनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वन मंत्री ने भरोसा दिलाया कि डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में आने वाले वर्षों में अलवर सहित पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संवर्धन और पर्यटन विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट धरातल पर उतरेंगे।

अलवर शहर में कटी घाटी के बगल में बहुत पुराना प्रेम रत्नाकर बांध है। जिसमें 30 साल से अवैध निर्माण जारी है। यहां सैकड़ों मकान बन चुके हैं। बांध के घने भराव क्षेत्र में निर्माण नहीं हुआ है। प्रेम रत्नाकर बांध में हो रहे अवैध निर्माण पर सवाल किया तो वन मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि यहां कोर्ट के आदेश आए हुए हैं। उसके अनुसार ही पट्टे मिलेंगे। अभी संभवतया पट्टे नहीं मिले हैं, लेकिन हमने जल संरक्षण के लिए आसपास कई बड़े एनिकट बनाए हैं। सरकार लगातार जल संरक्षण पर ध्यान दे रही है। ताकि अलवर शहर के पानी के संकट को दूर किया जा सके।

सरिस्का में राजमाता की तरह नगर वन में टाइगर की प्रतिमा लगी है, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जिसे देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान लोग टाइगर की प्रतिमा के पास खड़े होकर सेल्फी लेते हुए नजर आए।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के राज में टहला में जमीनों की बंदरबांट की गई। बाद में धांधली पकड़ी गई तो कलेक्टर को हटा दिया गया था। जिससे कांग्रेस की मंशा का पता चलता है। अब यदि आवंटन खारिज करने के बाद जमीनों पर कब्जे होने लगे हैं तो उसकी जांच कराएंगे।

भवानीमंडी में अवैध रूप से ड्रग्स बनाने की फैक्टरी पर छापा

- पुलिस ने लगभग दो किलो निर्मित एमडीएम के अलावा 130 लीटर केमिकल सहित ड्रग्स जब्त की है
- बरामद सामानों की अनुमानित कीमत 25 करोड़ बताई जा रही है, यह कारखाना पशुओं के बाड़े की आड में चल रहा था
- पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम निर्माण की कच्ची सामग्री एवं एमडीएम जब्त की

भवानीमंडी, (निसं)। सर्किल के मिश्रोली थाना क्षेत्र में चल रही अवैध तरिके से ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पर पुलिस ने छापामार कार्यवाही कर भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बनाने की भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम निर्माण की कच्ची सामग्री एवं व्यापक मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम जप्त कर परिवहन में प्रयुक्त वाहनो को जब्त किया।

जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थ एमडीएम के निर्माण कारखाना पर पुलिस ने कार्यवाही में लगभग दो किलो निर्मित एमडीएम के अलावा 130 लीटर केमिकल सहित ड्रग्स जब्त की है। बरामद सामानों की अनुमानित कीमत 25 करोड़ बताई जा रही है। यह कारखाना पशुओ के बाडे की आड में एमडीएम पावउर निर्माण का अवैध गोरखधंधा चल रहा था। यह कार्यवाही पुलिस थाना भवानीमंडी व मिश्रोली की संयुक्त टीमों ने की है। अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम. के निर्माण कारखाना में संलिप्त आरोपी गोपाल सिह, दिनेश सिंह, नरेन्द्र सिंह फरार है, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों पर 25000-25000 रूपये इनाम घोषित किया है।

हथियार बरामदगी मामले में दो कांस्टेबल गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला डीएसटी पश्चिम ने कुड़ी स्थित सेक्टर 8 में शुक्रवार रात एक युवक से एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस जब्त किया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल सहित दो और युवकों को भी हिरासत में लिया गया। पिस्तौल सप्लाई में कांस्टेबल की भी संदिग्ध भूमिका आई है। पुलिस ने आज दो कांस्टेबल रामप्रकाश और भोमसिंह को गिरफ्तार कर लिया। अवैध हथियार प्रकरण में तीन लोग अब गिरफ्तार बताए गए है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात में कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। इस सूचना पर डीएसटी पश्चिम को सक्रिय किया गया। एसआई महेन्द्रसिंह की अगुवाई में पुलिस ने तलाश के बाद केबीएचबी सेक्टर आठ के पास अर्शलान खिलजी को पकड़ा। तलाशी लेने पर एक पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस मिला। पूछताछ में सामने आया कि वह भोमसिंह से यह पिस्तौल लाया था। पुलिस ने तलाश के बाद उसे भी हिरासत में लिया गया। उससे पूछताछ में पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल की भूमिका सामने आई। आरोप है कि पिस्टल दिलाने में कांस्टेबल ने मध्यस्थता की थी। इस पर कांस्टेबल को भी हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि आज दो कांस्टेबल भोमसिंह एवं लाइन में तैनात रामप्रकाश को पकड़ा गया है।

विदेशी महिला से छेड़छाड़, एक जने को पकड़ा

उदयपुर, (कासं)। अम्बामाता थाना पुलिस ने विदेशी महिला के साथ छेड़छाड़ करने वाले ऑटो चालक को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार शहर भ्रमण के लिए आई आस्ट्रेलिया निवासी युवती 15 जनवरी को ऑटो में बैठ कर घूमने के लिए निकली, जहां ऑटो चालक उसे ऑटो में बैठा बार में ले गया, जहां चालक शराब पीने के बाद अभद्रता करने लगा। इसको देख युवती ने मौके से भागकर थाने पहुंच पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी मय टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस ने बालु मिट्टी खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर परिवहन करने पर कार्यवाही करते हुये बालु मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि उच्चाधिकारियों द्वारा अवैध खनन के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एएसपी नाजिम अली के सुपरविजन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरड़क के निर्देशन में थानाधिकारी रणवीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर शुक्रवार 16 जनवरी को रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को कागजात के अभाव में धारा 207 एमवी एक्ट में जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि गत 16 जनवरी को हैड कानि. ओमप्रकाश ने मय जाब्ता अवैध खनन के विरूद्ध चैकिंग के दौरान रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को परिहवन करते हुये कागजात के अभाव में जब्त की, जिनके चालान न्यायालय में प्रेषित किये जायेंगे।

जोधपुर में मालाणी डेयरी समूह के ठिकानों से बड़ी मात्रा में अघोषित संपत्ति मिली

टीम को साढ़े तीन किलो सोना और लगभग 35 लाख रुपए की नकदी मिली, तीसरे दिन भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी

- विभाग अब इस सोने की खरीद के बिल और नकदी के स्त्रोत की जानकारी जुटा रहा है, समूह के ठिकानों से मिले कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव की छानबीन जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मालाणी डेयरी समूह पर तीसरे दिन शनिवार को भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी रही। उत्तर प्रदेश से आई इन्वेस्टिगेशन विंग की टीमों ने इस ग्रुप के ठिकानों से बड़ी मात्रा में अघोषित संपत्ति मिली है।

सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में टीम को करीब पांच करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का करीब साढ़े तीन किलो सोना और लगभग 35 लाख रुपए की नकदी मिली है। विभाग अब इस सोने की खरीद के बिल और नकदी के स्त्रोत की जानकारी जुटा रहा है। इसके अलावा कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव इत्यादि की छानबीन की जा रही है। जोधपुर में व्यापारी घनश्याम सोनी की फर्म और घर में यूपी से आई आयकर विभाग की टीम तीन दिन से छानबीन कर रही है।

व्यवसायी घनश्याम सोनी और उनसे जुड़ी फर्मों पर 15 जनवरी से कार्रवाई की जा रही है। सोनी के शास्त्री नगर, मंडोर मंडी, बोरानाडा, न्यू पॉवर हाउस रोड और भीतरी शहर स्थित मकान सहित 5 ठिकानों पर रेड शुरू हुई थी। तीन दिन से घर और दफ्तर पुलिस छावनी बने हुए हैं और किसी को भी बाहर जाने की अनुमति नहीं है।

छापेमारी के दौरान आयकर अधिकारियों का पूरा फोकस अब इलेक्ट्रॉनिक सबूतों पर है। इसके लिए विभाग की टीमें समूह के ठिकानों से मिले कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड डिस्क, पैन ड्राइव इत्यादि की छानबीन कर रही है। इसके अलावा मालाणी समूह के मालिक सोनी परिवार के बैंक खातों और बैंक लॉकर्स के बारे में भी पड़ताल कर रही है।

आशंका है कि टैक्स चोरी के लिए कच्ची पर्चियों का हिसाब कंप्यूटर में कोड वर्ड या अलग फोल्डर में रखा गया होगा। विभाग के एक्सपर्ट्स इन डिवाइसेज की क्लोनिंग कर रहे हैं और डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने का प्रयास कर रहे हैं। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि कानपुर और देश के कई अन्य राज्यों में की गई बटर की सप्लाई में कितनी बोगस बिलिंग हुई है। मालाणी ग्रुप जोधपुर सहित पश्चिमी राजस्थान में डेयरी उत्पादों, विशेषकर घी के थोक व्यापारी है।

मालाणी ग्रुप जोधपुर सहित पश्चिमी राजस्थान में डेयरी उत्पादों, विशेषकर घी के थोक व्यापारी है। समूह के संबंध में ऑनलाइन उपलब्ध कंपनी डेटा के अनुसार, मालाणी डेयरी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों में घनश्याम सोनी के अलावा सुनीता सोनी, विनोद सोनी और विवेक सोनी शामिल है। विभिन्न बिजनेस लिस्टिंग प्लेटफॉर्म पर कंपनी का टर्नओवर 500 करोड़ रुपए से अधिक बताया गया है, जो इसके बड़े पैमाने के कारोबार को दर्शाता है। कंपनी का रजिस्टर्ड ऑफिस गुलाब सागर क्षेत्र में है, जबकि गोदाम और कामकाज मंडोर मंडी और बासनी/बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्रों से संचालित होता है।

10 लाख रुपए का एमडीएमए पाउडर जब्त, एक गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस ने ऑपरेशन विष हरण के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 16.75 ग्राम एमडीएमए मौली पाउडर जब्त किया है। इसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बाल अपचारी को भी डिटेन किया गया है।

पुलिस थाना कपासन की टीम ने बीती रात शनि महाराज से कपासन आने वाले मार्ग पर नाकाबंदी की थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल को रोका गया, जिस पर मण्डफिया गांव निवासी आवेश मोहम्मद (23) पुत्र इकबाल मोहम्मद और एक बाल अपचारी सवार थे। तलाशी के दौरान उनके पास से 16.75 ग्राम अवैध एमडीएमए मौली पाउडर बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही पाउडर और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया।

आवेश मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव और जिला पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ मनीष त्रिपाठी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन विषहरण का हिस्सा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह और वृत्ताधिकारी वृत्त कपासन हरजीलाल के सुपरविजन में थानाधिकारी सुनील शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक गोवर्धन सिंह, कॉन्स्टेबल कुंज बिहारी, देवीलाल, सुशील, राजेन्द्र और महेन्द्र सिंह शामिल थे।

उदयपुर में हाइवे पर दो कारों की भिड़ंत में चार जनों की मौत, छह घायल

उदयपुर के सविना थाना क्षैत्र के नैला तालाब के समीप हाइवे पर हुआ हादसा

- युवक का जन्मदिन होने से कार में साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहे थे जहां बीच रास्ते हादसा हो गया

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षैत्र नैला तालाब के समीप हाइवे पर दो कारों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक कार में सवार चार युवकों की मौत हो गई तथा दो युवक घायल हो गए, जबकि दूसरी कार में सवार चार जने घायल हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सवेरे शहर के नैला तालाब होते हुए हाइवे की तरफ जा रही कार की प्रतापनगर से अहमदाबाद की तरफ जा रही कार से भिड़ंत हो गई। एएसआई प्रीतमसिंह, हेड कांस्टेबल कृष्णपाल मय टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों कारों से सभी घायलों पलोदड़ा हाउस निवासी अयान पुत्र अब्दुल रहमान, गुलाम पुत्र गनी मो. नीजाम, वसीम पुत्र युसुफ निवासी खैरादीवाड़ा माणक चौक, मो. कैफ पुत्र मो. निजाम निवासी मुर्शीद नगर, आबिद कुरैशी पुत्र अब्दुल नदीम कुरैशी निवासी बरकत कॉलोनी, शेर मो. पुत्र फरीयाद खान निवासी बरकत कॉलोनी तथा दूसरी कार में सवार जयवीर पुत्र राजवीर जाट निवासी राजगढ़ चूरू, महिपाल पुत्र बद्रीराम, राजबाला पत्नी महिपाल तथा राजेश पुत्र महिपाल को बाहर निकाल उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मो. आबिद, शेर मो., गुलाम, मो. अयान को मृत घोषित कर दिया तथा सभी छह घायलों को उपचार के लिए भर्ती करवाया। जिनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार सवेरे मो. अयान का जन्मदिन होने से वह कार में अपने साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहा था, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिये तथा मामले की जांच में जुटी है।

सड़क हादसे में महिला की मौत : उदयपुर शहर के प्रताप नगर थाना क्षैत्र देबारी घाटावाली माता के समीप ट्रेलर ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सायं प्रतापनगर थाना क्षैत्र देबारी घाटावाली माता के सामने कट पर ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में करावली गीगला निवासी वर्दीबाई (34) पत्नी खेमराज पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर एएसआई तखतसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतका को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है। जिनके आने पर रविवार को पोस्टमार्टम होगा।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फुलेरा, (निसं)। पुलिस थाना फुलेरा ने ग्राम सुरसिंहपुरा स्थित शिव मंदिर से दानपात्र व सामान चोरी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मंदिर का सामान, घटना में प्रयुक्त हथौड़ा तथा बिना नंबर की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि गत 5 जनवरी को अज्ञात चोर द्वारा सुरसिंहपुरा शिव मंदिर में प्रवेश कर शिवलिंग पर लगा पीतल का छत्र, घंटियां, तांबे के झाड़, कलश व अन्य पूजा सामग्री सहित दानपात्र तोड़कर करीब 15 हजार रुपये चोरी कर लिए गए थे। इस संबंध में थाने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। फुलेरा थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कस्बा जोबनेर से आरोपी प्रवीण कुमार (22) पुत्र सीताराम रैगर, निवासी खटीकों का मोहल्ला, जोबनेर को गिरफ्तार किया गया है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार बीएलओ की मौत

पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर-भिवाड़ी हाइवे पर बंबोरा हनुमान मंदिर कट के पास रोडवेज बस की टक्कर लगने से बाइक से ड्यूटी पर मुसाखेड़ा जा रहे चुनावी कार्य में लगे बीएलओ महेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। चार साल पहले पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। महेश के दो बच्चे हैं जिनके ऊपर से अब मां के साथ पिता का साया भी उठ गया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9:15 बजे 39 वर्षीय महेश कुमार पुत्र हरिप्रसाद खाती अपनी बीएलओ और एसआईआर ड्यूटी के लिए मोटरसाइकिल से ग्राम मूसाखेड़ा जा रहे थे। जब वे बम्बोरा घाटा हनुमान मंदिर के सामने कट के पास पहुंचे, तभी अलवर की ओर से आ रही रोडवेज बस के चालक ने बस को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए सामने से महेश कुमार की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद महेश कुमार सड़क पर गिर पड़े और बस का टायर उनके ऊपर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को सीएचसी किशनगढ़ बास भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई अशोक कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि यह हादसा रोडवेज बस चालक की घोर लापरवाही के कारण हुआ है। महेश कुमार के परिवार में 12 वर्षीय बेटी पूर्वी और 6 वर्षीय बेटा रक्षित हैं। चार वर्ष पूर्व उनकी पत्नी की भी मृत्यु हो चुकी थी। इस हादसे के बाद दोनों बच्चों के सिर के ऊपर से माता-पिता का साया उठ गया है। लोगों ने दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिजली चोरी पकड़ने गई विजिलेंस टीम पर हमला, एईएन सहित चार कर्मचारी घायल

- कठूमर में बिजली चोरी कर रहे परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से टीम से मारपीट की, लाइनमैन की हालत गंभीर
- बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है

अलवर, (निसं)। अलवर के कठूमर में बिजली चोरी पकड़ने गई बिजली विभाग की विजिलेंस टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है। कठूमर कस्बे में शनिवार सुबह सात बजे विजिलेंस की टीम पर बिजली चोरी कर रहे परिवार ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया। मारपीट में एईएन सहित चार कर्मचारी घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची कठूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां लाइनमैन बच्ची सिंह बच्चू सिंह चौधरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनकी आंख के पास गंभीर चोट आने से खून बहना बंद नहीं हो रहा था, जिसके चलते प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं दूसरी ओर बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

सूचना पर पहुंची कठूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

बिजली विभाग के कर्मचारी मोनू ने बताया कि शनिवार सुबह करीब सात बजे सूचना मिली थी कि पट्टी श्मशान घाट रास्ते पर स्थित मकान पर दो भाई हब्बू मीणा और झब्बू मीणा पास में जा रहे बिजली के पोल से बिजली चोरी कर रहे हैं। सूचना पर विजिलेंस की टीम मौके पर पहुंची और बिजली चोरी पकड़ी। इस दौरान आरोपियों और उनके परिजनों को गुस्सा आ गया। आरोप है कि दोनों भाई हब्बू और झब्बू मीणा ने उनके बेटों सहित करीब पांच पुरुषों और तीन महिलाओं ने एक साथ मिलकर विजिलेंस की टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने लाठी-डंडों और लात-घूसों से उनकी जमकर मारपीट कर दी। हमले में विजिलेंस एईएन प्रमोद शर्मा, कर्मचारी राजकुमार, नरोत्तम यादव और लाइनमैन बच्चू सिंह चौधरी घायल हो गए। वहीं बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

लाइनमैन बच्चू सिंह के परिजन भूपेश शर्मा ने बताया कि उनके हाथ, पैर और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं और आंख के पास से लगातार खून बह रहा था, जिनको कठूमर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया, जहां इलाज जारी है।

सांवलिया सेठ के भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए निकले

- भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार का विशाल भंडार शनिवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव व अतिरिक्त जिला कलैक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में खोला गया।

सांवलिया सेठ मंडफिया के भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने-चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना भी शेष है। इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, किशनलाल अहीर, नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर व संपदा प्रभारी भैरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, वरिष्ठ सहायक कालू लाल तेली, बिहारी लाल गुर्जर सहित मंदिर के कर्मचारी एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।